Hindi Monologue For Male| हिन्दी मोनोलॉग फॉर मेल

पूर्वाभास:

इस स्क्रिप्ट मे हम **Hindi monologue for male for audition** के बारे मे एक स्क्रिप्ट देने वाले है| यहापर एक बडा भाई है जो की हाल- फिलहाल मे ही पढ़ाई पूरी करके जॉब कर रहा है| उसका एक छोटा भाई भी है| आज जब ये बडा भाई घर आ रहा था तभी बाहर कुछ लोग उसे पैसे मांगने लगते है जो की उसके छोटे भाई ने उधार लिए होते है |सब देख देखकर बडा भाई चौक जाता है की यह बाहर लोगों से पैसे क्यों ले रहा है |उसके बाद वह घर आता है ……. **अब आगे॥|**

पात्र:

बडा भाई (20-30 उम्र)

समय :

1 मिनिट 10 सेकंद

Hindi Monologue For Male For Audition | हिन्दी मोनोलॉग फॉर मेल ऑडिशन

श्याम....बाहर आना जरा ।
हा हा मैने हि बुलाया, इधर आना । वो बाजुवाला रमन मिला था बाहर, कह रहा था कुछ पैसे उधार लिए है तुमने ? क्या मै जान सकता हु की ऐसी क्या जरूरत पड़ी की तुमने घर मे ना बताकर बहार किसीसे पैसे लिए। नहीं नहीं यहापर बात फ्रीडम की नहीं है , मै तुम्हे इसलिए पूछ रहा हु क्यों की यह ऐसा तीसरी बार हुवा है ।

तुम जिन जिन लोगोंसे पैसे लेते हो वो सभी मुझे बाहर पैसे मांगने के लिए रोकते है। पहले भी एक दो बार ऐसा हुवा है पर मैने नज़रअंदाज किया लेकिन आज फिरसे कोई आकर मुझे बोलता है की तुम्हारे भाई ने मेरेसे पैसे उधार लिए है वो मुझे वापस कब तक मिलेंगे ? अब बोलो इसका मेरे पास क्या जवाब होना चाहिए ?

श्याम मुझे जवाब चाहिये, एक बड़े भाई होने के नाते तुम्हारे लिए क्या सही ,क्या गलत यह जानना और पूछना मेरा अधिकार है। देख भाई अभी तुम्हारा स्कूल चल रहा है; अच्छे से पढ़ो, मेहनत करो । तुम्हे कुछ भी चीज की जरूरत पड़ी तो हम है ना, मम्मी-पापा है मै हूँ । पापा को छोटा-मोठा हि सही पर काम मिलता है जिससे घर के खर्चे चल रहे है। मेरे नौकरी की भी तन्खवा पिछले महीने से शुरु हुयी है।

अब सबकुछ सही हो जायेगा बस तु अच्छे से पढ़ाई करले। एक् भाई होने के नाते सिर्फ इतना हि लगता है की अपना छोटा भाई किसीकी बुरि संगत मे ना पढ़े। तु मुज़से एक वादा कर की आगे से तु किसी से भी पैसे उधार नहीं लेगा। कुछ भी रहेगा तो तुम्हारा भाई है ना । चल अब जा तु तेरे दोस्त लोग आये लगता है खेलने जा। आरम से कुछ गड़बड़ मत करो वर्णा आज भी वो शर्माजी के खिड़की की कांच फुट जाएगी।